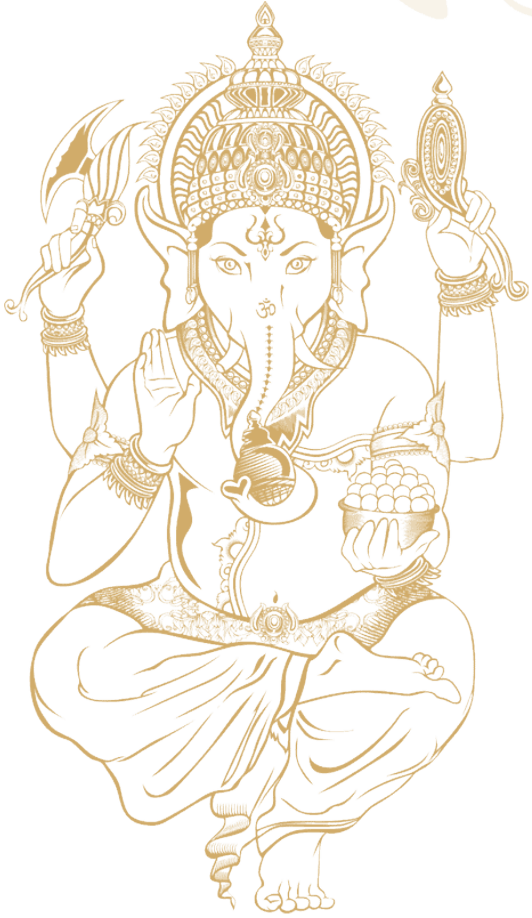

Shivam Raj

30 Apr 2015

02:40 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121786444

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 30/04/2015**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	**: 14:40:00 घंटे**
इष्ट	: 23:29:52 घटी
स्थान	**: Gaya**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 24:48:00 उत्तर
रेखांश	: 85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 14:50:00 घंटे
वेलान्तर	: 00:02:43 घंटे
साम्पातिक काल	: 05:21:59 घंटे
सूर्योदय	: 05:16:03 घंटे
सूर्यास्त	: 18:18:56 घंटे
दिनमान	: 13:02:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 15:38:49 मेष
लग्न के अंश	: 27:18:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**: उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: व्याघात
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:18:24	327:08:50	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			मेष	15:38:49	00:58:16	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	03:30:55	11:51:22	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मेष	27:34:45	00:43:00	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			वृष	04:54:40	01:28:29	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	19:14:23	00:03:55	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	उच्च राशि
शुक्र			वृष	27:28:31	01:07:39	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि	व		वृश्चि	09:10:59	00:03:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			कन्या	15:44:20	00:01:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	15:44:20	00:01:03	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मीन	23:43:07	00:03:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
नेप			कुंभ	15:15:08	00:01:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	21:25:52	00:00:23	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			वृष	27:11:55	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:18

लग्न-चलित

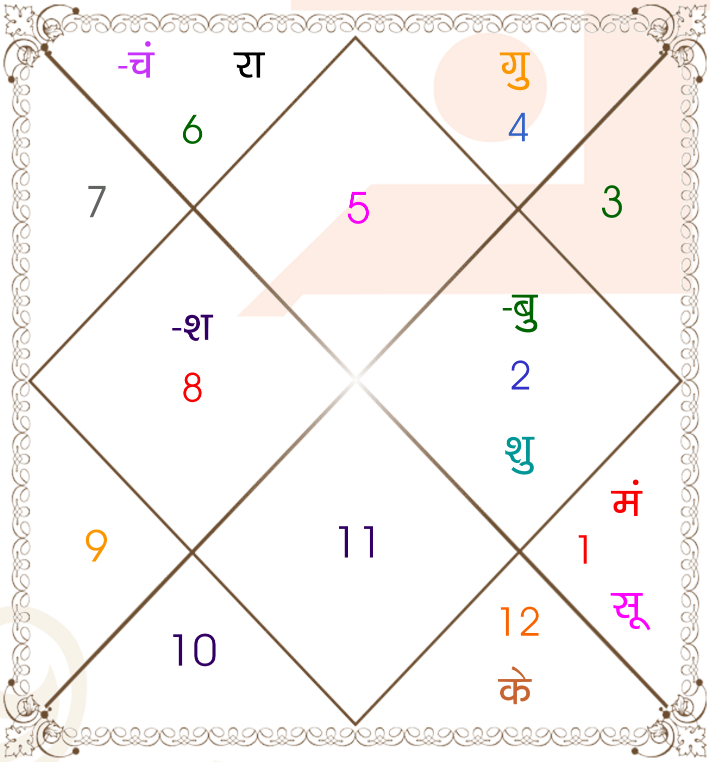

चन्द्र कुंडली

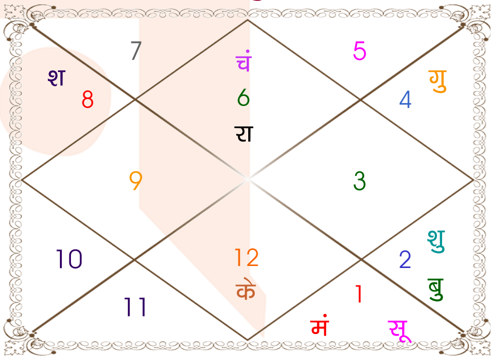

नवमांश कुंडली

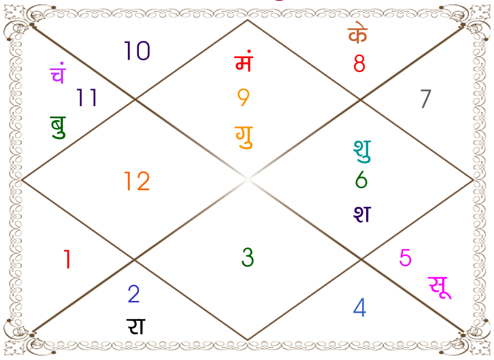

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 11 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/04/2015		31/03/2018		30/03/2028		31/03/2035		31/03/2053	
31/03/2018		30/03/2028		31/03/2035		31/03/2053		31/03/2069	
	00/00/0000	चंद्र	29/01/2019	मंगल	27/08/2028	राहु	11/12/2037	गुरु	19/05/2055
	00/00/0000	मंगल	30/08/2019	राहु	14/09/2029	गुरु	06/05/2040	शनि	29/11/2057
	00/00/0000	राहु	28/02/2021	गुरु	21/08/2030	शनि	13/03/2043	बुध	06/03/2060
	00/00/0000	गुरु	30/06/2022	शनि	30/09/2031	बुध	29/09/2045	केतु	10/02/2061
	30/04/2015	शनि	30/01/2024	बुध	26/09/2032	केतु	18/10/2046	शुक्र	12/10/2063
शनि	17/01/2016	बुध	30/06/2025	केतु	22/02/2033	शुक्र	18/10/2049	सूर्य	30/07/2064
बुध	23/11/2016	केतु	29/01/2026	शुक्र	24/04/2034	सूर्य	11/09/2050	चंद्र	29/11/2065
केतु	31/03/2017	शुक्र	30/09/2027	सूर्य	30/08/2034	चंद्र	12/03/2052	मंगल	05/11/2066
शुक्र	31/03/2018	सूर्य	30/03/2028	चंद्र	31/03/2035	मंगल	31/03/2053	राहु	31/03/2069

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/03/2069		30/03/2088		01/04/2105		31/03/2112		31/03/2132	
30/03/2088		01/04/2105		31/03/2112		31/03/2132		00/00/0000	
शनि	02/04/2072	बुध	27/08/2090	केतु	28/08/2105	शुक्र	01/08/2115	सूर्य	19/07/2132
बुध	12/12/2074	केतु	24/08/2091	शुक्र	28/10/2106	सूर्य	31/07/2116	चंद्र	18/01/2133
केतु	20/01/2076	शुक्र	24/06/2094	सूर्य	05/03/2107	चंद्र	01/04/2118	मंगल	25/05/2133
शुक्र	22/03/2079	सूर्य	01/05/2095	चंद्र	04/10/2107	मंगल	01/06/2119	राहु	19/04/2134
सूर्य	03/03/2080	चंद्र	29/09/2096	मंगल	01/03/2108	राहु	01/06/2122	गुरु	05/02/2135
चंद्र	02/10/2081	मंगल	26/09/2097	राहु	20/03/2109	गुरु	30/01/2125	शनि	01/05/2135
मंगल	11/11/2082	राहु	16/04/2100	गुरु	23/02/2110	शनि	31/03/2128		00/00/0000
राहु	17/09/2085	गुरु	23/07/2102	शनि	04/04/2111	बुध	30/01/2131		00/00/0000
गुरु	30/03/2088	शनि	01/04/2105	बुध	31/03/2112	केतु	31/03/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 10 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।